



SHRI PARESH RATHWA

Shri Paresh Rathwa is a well known “Pithora” artist (Lakhara – in local language) from Kawant, Chhotaudepur district of Gujarat State.

2. Born on August 17, 1968, Shri Rathwa completed his study only up to 10th Standard due to his poor economic condition and started accompanying “Pithora” Lakhara (Artist) from his village since early childhood. At a young age of 22 he was recognized as a "Pithora" Lakhara (Artist) by his own Rathwa community. Since 1990 he was writing (painting) Pithora from village to village and participated in various international, national and state exhibitions, tribal festivals and Mela to preserve and promote the traditional tribal art form “Pithora” and represent TRI, Gujarat, Tribal Development Department and the State Government in many occasions.

3. Shri Rathwa had visited "Adivasi Museum" of Tribal Research Institute, Gujarat in the year 1995. When the then Museum Curator Mr. Ghosalkar came to know that he is "Pithora" writer (Artist) he was very impressed with his work and at the same time he expressed sorrow over disappearing of "Pithora" art from tribal culture of the state. He gave a lot of insight and courage to save this endangered art form. That's how the journey of preserve and promote the endangered art “Pithora” has began.

4. Shri Rathwa participated in “International Painting Exhibition” held at Fuzita Vinte Museum, Japan in 1995, Roberto Sioline, Milao, Italy in 2000. He participated and performed live demonstration of “Pithora” in more than 30 “Painting Exhibitions, Trade Fairs, Tribal Festivals and Kala Mahotsav” organized by TRIFED, TRI, Gujarat, other State TRIs, Ministry of Tribal Affairs and other Ministries of Government of India since 1995.

5. Shri Rathwa painted “Pithora” on walls of many such iconic buildings and Government offices such as DMRC INA Metro Station, New Delhi, on the walls of TRIBES INDIA show room situated at TRIFED, New Delhi in 2017, on the office wall of Ministry of Tribal Affairs, New Delhi and on the walls of DIET Office, GCERT Building, Gandhinagar.

6. Shri Rathwa imparted online training to art lovers from seven different countries to paint "Pithora". Today, through these relentless efforts, this art form has gained State, National and International recognition. He has been able to give “Pithora” a prominent place in art galleries as well as museums in foreign countries like England, Italy, France, Japan etc.

7. Shri Rathwa was honoured with State Award by Cottage and Rural Industries Department in 2018. He was awarded “Best Pithora Artist” by the Governor of Gujarat and the Chief Minister of Gujarat at Chhotaudepur in 2019, awarded “BEST ARTIST” by the Chief Minister of Gujarat at Rajkot in 2020; Honored with “Gujarat Travel and Tourism Excellency Award” by the Chief Minister of Gujarat at Gandhinagar in 2021.



श्री परेश राठवा

श्री परेश राठवा गुजरात राज्य के छोटा उदयपुर जिले के कावंत के एक प्रसिद्ध "पिथौरा" कलाकार (स्थानीय भाषा में लखारा) हैं।

2. 17 अगस्त, 1968 को जन्मे श्री राठवा अपनी खराब आर्थिक स्थिति के कारण केवल दसवीं कक्षा तक पढ़ाई पूरी कर पाए और बचपन से ही अपने गांव के "पिथौरा" लखारा (कलाकार) की संगत में रहना शुरू कर दिया। 22 वर्ष की छोटी आयु में उन्हें अपने स्वयं के राठवा समुदाय द्वारा "पिथौरा" लखारा (कलाकार) के रूप में मान्यता दी गई। 1990 से वह गांव-गांव पिथौरा लिखते(चित्रित) रहे। वह पारंपरिक जनजातीय कला रूप "पिथौरा" के संरक्षण और प्रोत्साहन के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य प्रदर्शनियों, जनजातीय पर्वों और मेलों में भाग लिया करते थे और उन्होंने अनेक अवसरों पर टीआरआई, गुजरात, जनजातीय विकास विभाग और राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व किया।

3. श्री राठवा ने वर्ष 1995 में जनजातीय अनुसंधान संस्थान, गुजरात के "आदिवासी संग्रहालय" का दौरा किया था। जब संग्रहालय के तत्कालीन क्यूरेटर श्री घोसालकर को पता चला कि वे "पिथौरा" लेखक (कलाकार) हैं, तो वह उनके काम से बहुत प्रभावित हुए और साथ ही उन्होंने राज्य की जनजाति संस्कृति से लुप्त हो रही "पिथौरा" कला के प्रति दुख व्यक्त किया। उन्होंने इस लुप्तप्राय कला को बचाने के लिए बहुत से सुझाव और हिम्मत दी। यहीं से लुप्तप्राय कला "पिथौरा" को संरक्षित करने और बढ़ावा देने की यात्रा शुरू हुई है।

4. श्री राठवा ने 1995 में जापान के फुजिता विंते संग्रहालय, वर्ष 2000 में इटली के रॉबर्टो सिओलिन, मिलाओ में आयोजित "अंतरराष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी" में भाग लिया। उन्होंने ट्राइफेड, टीआरआई, गुजरात, अन्य राज्य टीआरआई, जनजातीय कार्य मंत्रालय और भारत सरकार के अन्य मंत्रालयों द्वारा 1995 से आयोजित 30 से अधिक "चित्रकला प्रदर्शनियों, व्यापार मेलों, जनजातीय उत्सवों और कला महोत्सव" में भाग लेकर "पिथौरा" का लाइव प्रदर्शन किया।

5. श्री राठवा ने डीएमआरसी नई दिल्ली के आईएनए मेट्रो स्टेशन जैसे कई प्रतिष्ठित भवनों और सरकारी कार्यालयों, 2017 में ट्राइफेड, नई दिल्ली स्थित ट्राइब्स इंडिया शोरूम, जनजातीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली के कार्यालय और डाइट कार्यालय, जीसीईआरटी भवन, गांधीनगर की दीवारों पर "पिथौरा" चित्रित किया।

6. श्री राठवा ने सात विभिन्न देशों के कला प्रेमियों को "पिथौरा" चित्रण का ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया। आज, इन अथक प्रयासों से, इस कला को राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है। वह इंग्लैंड, इटली, फ्रांस, जापान आदि जैसे देशों की कला दीर्घाओं और संग्रहालयों में "पिथौरा" को प्रमुख स्थान दिलाने में सफल रहे हैं।

7. श्री राठवा को 2018 में कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग विभाग द्वारा राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें 2019 में छोटा उदयपुर में गुजरात के राज्यपाल और गुजरात के मुख्यमंत्री द्वारा "सर्वश्रेष्ठ पिथौरा कलाकार" के तौर पर सम्मानित किया गया था, 2020 में राजकोट में गुजरात के मुख्यमंत्री द्वारा "सर्वश्रेष्ठ कलाकार" के रूप में सम्मानित किया गया; 2021 में गांधीनगर में गुजरात के मुख्यमंत्री द्वारा "गुजरात यात्रा और पर्यटन उत्कृष्टता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।